मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BSKC–109

बी. ए. (विशेष) संस्कृत

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एस.के.सी.-109 : आधुनिक संस्कृत साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न का उत्तर संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए। लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यों का अनुवाद कीजिए : 2×5=10

(क) नमामि तां निर्झरिणीं कवीनामाकाशगङ्गां

नु विशुद्धिमुग्धाम्।

यत्कुक्षिसूताऽक्षरपद्ममालां वाग्देवता श्रीरिव मूर्ध्नि धत्ते॥

अथवा

त्वं वै सुपर्णोऽसि हिरण्यवर्णस्त्वं संविदोह्लादगुणो
रसोऽसि।
त्वमेव बिम्वस्य परात्परस्यच्छायामयः काश्चन
विग्रहोऽसि॥

(ख) गाङ्गं जलं यत्र धनं परार्घ्यं विश्वेशपूजैव
हि यत्कुसीदम्।
यल्लेखरुपाश्च भवन्ति वेदाः स्वतः प्रमाणाक्षर–
बन्धभेदाः॥

अथवा

अस्सीति घट्टः स भृशं प्रशस्यो मठे गणेशस्य
यदङ्क लग्ने।
शरीरबन्धं निजमातृभूमिस्नेहातिशीतिः खलु साऽप
लक्ष्मी॥

2. निम्नलिखित पद्यों की व्याख्या कीजिए : $2\times10=20$

(क) अज्ञानगाढान्धतमो निरस्य ज्ञानप्रकाशेन समुज्ज्वलद्भिः।
लभ्यानि चान्यैः सह दुर्लभानि प्रशासकीयानि पदानि
सम्यक्॥

अथवा

वयं सुपुत्राः प्रियमातृ भूमेः स्वबान्धवैरेव बहिष्कृताः स्म।

उद्धर्तुमस्मांश्चिरदास्यपङ्कान्नास्मदृते कोऽपि परः समर्थः॥

(ख) सर्वे जनाः सन्ततिरीश्वरस्य चिच्छक्तिरस्मास्वपि भात्यपूर्वा॥

निर्माय उच्चावचतां समाजे जनैः सवर्णैस्तु बहिष्कृताः स्मः॥

अथवा

सर्वाणि-अपत्यानि सुशिक्षितानि भवेयुरवेत्य-वधारणीयम्।

शिक्षैव चात्मोन्नतिहेतुरस्ति शिक्षां विना ते पशुभिः समानाः॥

3. आधुनिक संस्कृत चरितकाव्य का विवेचन कीजिए। 10

अथवा

'भीमायनम्' महाकाव्य से मिलने वाली शिक्षा का प्रतिपादन कीजिए।

4. 'शार्दुलशकटम्' काव्य की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

मथुरानाथशास्त्री के व्यक्तित्व और कर्तृत्व का वर्णन कीजिए।

5. धीवरगीति से हम कैसे प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं ? वर्णन कीजिए। 15

अथवा

"ब्रूहि कोऽस्मिन् युगे कालिदासायते" के आधार पर सामाजिक सन्देश को स्पष्ट कीजिए।

6. आधुनिक संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में मथुरानाथ शास्त्री के योगदान को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

आधुनिक गद्यकाव्य एवं उसके भेदों का वर्णन कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $4\times5=20$

(क) यतीन्द्र विमल चौधरी

(ख) अभिराज राजेन्द्र मिश्र

(ग) विष्णुपाद भट्टाचार्य

(घ) मूलशंकर माणिकलाल

(ङ) हरिनारायण दीक्षित

(च) अच्युतानन्द दास

× × × × ×